Thursday 24 | Friday 25 | Saturday 26

आँसुओं से सींचे हैं तबस्सुम मैंने
मुझे मत हँसा ये बिखर जायेंगे।

—

मौत ही इंसान की दुश्मन नहीं
ज़िन्दगी भी जान लेकर जाएगी।

—

आँखों में जो भर लोगे तो काँटों से चुभेंगे
कुछ ख्वाब तो पलकों पे सजाने के लिए हैं।

—

मरने वाला बेरुखी से मर गया
लोग कहते हैं कि वो खुद्दार था।

—

डूबकर जिसमें उबर पाया न मैं जीवन-भर
एक आँसू था मगर पूरा समन्दर निकला।

—

हारा-हारा होके हुआ बेसहारा आदमी
मौत ने न मारा ज़िन्दगी ने मारा आदमी।

—

रोने वाले तुझे रोने का सलीका भी नहीं
अश्क पीने के लिए हैं या बहाने के लिए।

—

9 a.m.
10 a.m.
11 a.m.
12 p.m.
1 p.m.
2 p.m.
3 p.m.
4 p.m.
5 p.m.
6 p.m.

Work to be done | Sunday 27

कितने ग़मों को हमने हँसकर छुपा लिया है
कुछ ग़म अधीर लेकिन अश्कों में ढल रहे हैं।

—

VEMBER 1998

M	T	W	T	F	S
2	3	4	5	6	7
9	10	11	12	13	14
16	17	18	19	20	21
23	24	25	26	27	28
30	•	•	•	•	•

JANUARY 1999

S	M	T	W	T	F	S
31	•	•	•	•	1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30